

शगुनिया पुं. (तद्.) 1. शगुनों का जाता 2. शगुन लाने ले जाने वाला।

शगूफा पुं. (फा.) 1. कोई अनोखी बात 2. चुटकुला 3. कली, फूल।

शची स्त्री. (तत्.) 1. इंद्र की पत्नी, इंद्राणी-जो पुलोमा की कन्या थी 2. बल 3. वाक्शक्ति 4. पवित्र कर्म 5. प्रज्ञा 6. सतावर 7. क्रियाशक्ति।

शजर पुं. (अर.) पेड़, तनेदार वृक्ष।

शजरा पुं. (अर.) 1. किसी वंशावली को तनेदार वृक्ष की आकृति में अंकित करना, वंशवृक्ष 2. पटवारी द्वारा बनाया हुआ खेत का मानचित्र, नक्शा।

शट वि. (तत्.) अम्ल, खट्टा, कसैला।

शटडाउन पुं. (अं.) कामबंदी, उद्योग-धंधों का कार्य रोकने का भाव।

शटर पुं. (अं.) धातु (लोहे आदि) से बना किबाड़ जिसे ऊपर-नीचे करके खोला और बंद किया जाता है तथा खोलने पर वह ऊपर की ओर इकट्ठा हो जाता है।

शटा स्त्री. (तत्.) 1. जटा 2. शेर का अयाल 3. शेर के बाल 4. वृक्षों की जड़।

शटिल/शटल स्त्री. (अं.) 1. जुलाहे के करघे की ढरकी, भरनी 2. निकट के दो स्थानों के मध्य आने जाने वाली रेलगाड़ी।

शट्टक पुं. (तत्.) जल और घी से सना हुआ चावल का चूर्ण।

शठ वि. (तत्.) 1. धूर्त, छली, कपटी, चालाक, बदमाश 2. मूढ़, मूर्ख 3. दुष्ट, पाजी 4. लंपट पुं. 1. धूर्त नायक का एक प्रकार (नकली प्रेम प्रकट करने वाला) 2. मध्यस्थ 3. धतूरा 4. सफेद सरसों।

शठता स्त्री. (तत्.) 1. शठ का भाव, कर्म और धर्म 2. बदमाशी 3. धूर्तता।

शठबुद्धि वि. (तत्.) दुष्ट बुद्धि वाला, धूर्त बुद्धि वाला।

शठांबा स्त्री. (तत्.) 1. अंबष्ठा, अंबष्ठ की पत्नी, अंबष्ठ जाति की स्त्री 2. कुछ पौधों के नाम-गणिका, यूथिका (जूही), पाठा, चक्रिका, अँबाड़ा।

शण पुं. (तत्.) 1. सन का क्षुप 2. भंग 3. शण नाम का पौधा जिसे चारपाई की रस्सी बनाई जाती है।

शणाल पुं. (तत्.) अमलतास।

शणिका स्त्री. (तत्.) शणपुष्पी।

शणीर पुं. (तत्.) 1. सोन नदी के मध्य का क्षेत्र 2. गंगा और सरयू के बीच का स्थल 3. दोआब क्षेत्र।

शत पुं. (तत्.) सौ की संख्या, 1 सौ वि. असंख्य सैकड़ों।

शतक वि. (तत्.) 1. सौ की संख्या से संबद्ध 2. सौ वाला 3. सौ का समूह पुं. एक प्रकार की सौ वस्तुओं का समूह या संग्रह, शती, शताब्दी, विष्णु।

शतकद्री स्त्री. (तत्.) 1. यज्ञ की छवि 2. यजुर्वेद का एक विशिष्ट अंग।

शतकर्मा पुं. (तत्.) शनिग्रह का नाम।

शतकुंडी वि. (तत्.) सौ कुंडों में एक साथ होने वाला महायज्ञ।

शतकुंत पुं. (तत्.) करवीर, सफेद कनेर।

शतकुंभ पुं. (तत्.) 1. सफेद कनेर 2. ऐसा पहाड़ जहाँ से सोना निकलता है।

शतकुलीरक पुं. (तत्.) एक तरह का कठिन आवरण वाला जीव।

शतकुसुमा स्त्री. (तत्.) सौंफ।

शतकोटि वि. (तत्.) जो गिनती में सौ करोड़ हो, जो एक अरब हो स्त्री. सौ करोड़ की संख्या, एक अरब।

शतक्रतु पुं. (तत्.) 1. जिसने सौ अश्वमेध यज्ञ किए हो 2. इंद्र।